>

Title: Need to ensure implementation of Rashtriya Bal Shram Project in all the districts of the country.

श्री वीरेन्द्र कुमार (टीकमगढ़): आज देश का हर बच्चा इस आशा के साथ सुबह सोकर नहीं उठता है कि जब वह सुबह उठेगा तो उसे भरपेट भोजन मिलेगा और वह अपने कंधे पर स्कूल का बस्ता लेकर पढ़ने के लिए जायेगा।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आपकी बात रिकॉर्ड में नहीं जा रही है।

...(व्यवधान) *

श्री वीरेन्द्र कुमार : बाल श्रम संपूर्ण समाज के सामने एक अनुत्तरित प्रश्न है।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : इनकी बात रिकॉर्ड में नहीं जायेगी। सिर्फ वीरेन्द्र जी की बात रिकॉर्ड में जायेगी।

*(Interruptions) â€¦**

श्री वीरेन्द्र कुमार : इसे रोकने के लिए बड़ी-बड़ी बातें की जाती हैं, योजनाएं एवं कानून भी बनाये जाते हैं। सवाल उठता है कि बाल मजदूरों के कल्याण संबंधी योजनाओं का पैसा आखिर कहां खर्च होता है? कितने बच्चों के जीवन को बेहतर बनाया जा सका है? आज भी मिर्जापुर के कालीन उद्योग में, फिरोजाबाद के चूड़ी कारखानों में, शिवाकाशी के पटाखा उद्योग में, शादी के मौके पर शहनाई और बाजों के बीच में सिर पर 30 से 40 किलो की लाइट का बोझ अपने सिर पर उठाए हुए...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य आपकी बात सरकार ने सुन ली है और वह कार्रवाई करेगी।

â€¦(व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र कुमार : बाल श्रमिक केटरिंग वालों के साथ बर्तन धोते हुए, सड़क के किनारे चाय के स्टाल पर झूठे कप-प्लेट धोते हुए बड़ी संख्या में नजर आते हैं। इनसे बाल श्रम रोकने के दावों को गलत साबित किया जाता है।

120 करोड़ की आबादी वाले इस देश में स्कूल की दहलीज से दूर आज भी लगभग 92 लाख बच्चे हैं, जो अपना पेट पालने के लिए मजदूरी करने को बाध्य हैं। बच्चे हमारे देश की धरोहर हैं।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य मैं सरकार को जवाब देने के लिए बाध्य नहीं कर सकता हूं।

â€¦(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार : राष्ट्रकवि दिनकर जी से संबंधित यह मामला बहुत गंभीर है। हम इस पर असोसियेट करना चाहते हैं। मंत्री जी को इस पर बयान देना चाहिए। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : जो माननीय सदस्य संबद्ध करना चाहते हैं, वे अपने नाम लिखकर दे दें।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : मंत्री जी की बात तो सुन लीजिए। किसी की बात रिकार्ड पर नहीं जा रही है।

*(Interruptions) â€¦ **

श्री वीरेन्द्र कुमार : महोदय, 120 करोड़ की आबादी वाले इस देश में स्कूल की दहलीज से दूर आज भी करीब 92 लाख बच्चे हैं जो अपना पेट पालने के लिए मज़दूरी करने को बाध्य हैं। बच्चे हमारे देश की धरोहर हैं और हमें उन्हें विकसित करने के लिए उस क्षेत्र के लोगों की मूल सुविधाओं के बारे में विचार करना होगा तथा उसे अमल में लाना हमारी प्राथमिकता होना चाहिए। अतः मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि बाल मज़दूरी को खत्म करने के लिए बाल मज़दूरी से हटाए गए बच्चों की सही देखभाल तथा उन्हें कम से कम पूरी शिक्षा उपलब्ध कराने, राष्ट्रीय बाल श्रम परियोजना को देश के उन सभी राज्यों में, जहाँ वह कार्यान्वित नहीं हो रही है, शीघ्र प्रारंभ करवाने की पहल की जाए ताकि देश का हर बाल मज़दूर नई रोशनी में जी सके चाहे वह आदिवासी हो अथवा अनाथ। तभी सुनहरे भारत की तस्वीर पूरी होगी। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)